(ग) 'नर हो, न निराश करो मन को' कविता से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

अथवा

धूप कविता के काव्य सौंदर्य पर विचार कीजिए।

(घ) "'बालिका का परिचय' कविता महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक गंभीर प्रयास है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'तोड़ती पत्थर' कविता की समीक्षा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : (6×3=18)

(क) प्रेमाश्रयी काव्यधारा

(ख) रामभक्ति शाखा

(ग) मैथिलीशरण गुप्त की काव्य संवेदना

(घ) केवट प्रसंग की मार्मिकता

(ङ) केदारनाथ अग्रवाल का प्रकृति प्रेम

(च) भारतेंदु युग

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 12900 K

Unique Paper Code : 2055201002

Name of the Paper : Hindi Bhasha aur Sahitya : B (GE)

Name of the Course : B.A. (Prog.) Hindi

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

SRI AUROBINDO COLLEGE
तमसो मा ज्योतिर्गमय
UNIVERSITY OF DELHI

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8×3=24)

(क) कबीर बादल प्रेम का, हम पारे बरष्या आइ।
अंतरि भीगी आत्माँ हरी भई, बनराइ।।

अथवा

उतरि ठाढ़ भए सुरसरि रेता। सीय रामु गुह लखन समेता।।

केवट उतरि दंडवत कीन्हा। प्रभुहि सकुच एहि नहिं कछु दीन्हा।।

(ख) जब प्राप्त तुम्हें सब तत्त्व यहां
फिर जा सकता वह सत्त्व कहां
तुम स्वत्त्व सुधा रस पान करो
उठके अमरत्व विधान करो
दवरूप रहो भव कानन को
नर हो न निराश करो मन को।

अथवा

भैया की बाहों से छूटी भौजाई-सी
लहंगे की लहराती लचती हवा वली है
सारंगी बजती है खेतों की गोदी में
दल के दल पक्षी उड़ते हैं मीठे स्वर के

(ग) प्रभु ईसा की क्षमाशीलता
नवी मुहम्मद का विश्वास।
जीव दया जिनवर गौतम की
आओ देखो इसके पास।।

अथवा

देखते देखा मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार;
देखकर कोई नहीं,
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोई नहीं,
सजा सहज सितार,
सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (12×4=48)

(क) हिंदी भाषा के विकास पर विचार कीजिए।

अथवा

भारतेन्दुयुगीन प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

(ख) साखियों के आधार पर कवि कबीर की दृष्टि का परिचय दीजिए।

अथवा

'रामचरित मानस' में केवट प्रसंग का क्या महत्त्व है? चर्चा कीजिए।